Regarding need to develop a fast-track mechanism to bring back mortal remains of Indian citizens who die in foreign countries-Laid

श्री राहुल कस्वां **(चुरू):** मेरे लोकसभा क्षेत्र चुरू के हज़ारों लोग रोजगार एवं उच्च शिक्षा के लिए विदेशों, विशेषकर खाड़ी देशों और यूरोप में रहते हैं । हाल ही में, नोहर के एक युवा का जर्मनी में असमय निधन हो गया, जिसकी मृत देह को भारत लाने में 20 दिन का समय लग गया इस दौरान पीड़ित परिवार गहरे मानसिक आघात से गुज़रा ? न वे वहां जा सके, न ही अंतिम संस्कार शीघ्र कर पाए । खाड़ी देशों में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां कभी-कभी मृतक की देह को स्वदेश लाने में 6-6 महीने तक का समय लग जाता है । यह देरी न केवल मृतक के परिवार के लिए असहनीय पीड़ा का कारण बनती है, बल्कि सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाजों के पालन में भी बाधा उत्पन्न करती है । अतः, मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि ऐसे मामलों में विशेष त्वरित सहायता तंत्र (Fast-Track Mechanism) बनाया जाए, भारतीय दूतावासों की जिम्मेदारी और संसाधनों को बढ़ाया जाए, तथा विदेशों में भारतीयों की मृत्यु होने पर मृत देह को जल्द से जल्द स्वदेश लाने के लिए ठोस एवं समयबद्ध व्यवस्था की जाए । आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के लिए विशेष सहायता कोष/फ्रेट सब्सिडी और लीगल-लायज़न सपोर्ट प्रदान किया जाए ।